रिद्धिमा में सजी सुफियाना संगीत की महफिल

बरेली।
एसआरएमएस रिद्धिमा में बुधवार पैगाम ए- खुसरो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अबुल हसन यमीनुदीन खुसरो संगीतकार, विद्वान और कवि थे। वह सूफ़ी रहस्यवादी थे और दिल्ली वाले निजामुदीन औलिया उन के आध्यात्मिक गुरू थे। कार्यक्रम की शुरुआत में उस्ताद दानिश हुसैन ने अमीर खुसरो की 'मौला अली मौला' कव्वाली के जरिए हजरत मोहम्मद पैगम्बर को याद किया। दानिश हुसैन, स्नेहाशीष और शिवांगी मिश्रा ने अमीर खुसरो के 750 साल पुराने कलाम 'सकल बन फूल रही सरसों' को अपनी आवाज़ देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायिका रीता शर्मा ने कार्यक्रम में अमीर खुसरो की गजल 'मोरे पिया घर आए' को अपनी आवाज देकर लोगों की खूब तालियां बटोरीं। उस्ताद दानिश हुसैन, स्नेहाशीष दुबे और शिवांगी मिश्रा ने अमीर खुसरो की आज रंग है री के साथ सुफियाना शाम को अपने अंजाम तक पहुंचाया। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार ने किया। सभागार में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति और शहर के सम्भ्रांत लोग मौजूद रहे।